वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

Syllabus

मापन एवं मूल्यांकन

क्र.सं.	इकाई का नाम
1	मापन एवं मूल्यांकन का अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं मापन तथा मूल्यांकन में अन्तर
2	शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन की आवश्यकता एवं महत्व तथा परिणात्मक और गुणात्मक मूल्यांकन
3	मापन एवं मूल्यांकन मे सम्बन्ध
4	शिक्षा में उद्देश्य
5	शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (ब्लूम द्वारा प्रतिपादित)
6	उद्देश्यों को व्यवहारिक रूप में लिखना (मेगर का योगदान)
7	निबन्धात्मक प्रकार के उपलब्धि परीक्षण, निबन्धात्मक प्रकार के परीक्षण पदों की रचना, प्रशासन एवं फलांकन
8	वस्तुनिष्ठ प्रकार के उपलब्धि परीक्षण, वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षण पदों की रचना , वस्तुनिष्ठ प्रकार पदों का मूल्यांकन संपादन, वस्तुनिष्ठ परीक्षणों की व्यवस्था
9	निबन्धात्मक एवं वस्तुनिष्ठ परीक्षण की तुलना अध्यापक निर्मित परीक्षणों का प्रयोजन एवं उनकी रचना
10	अच्छे परीक्षण की विशेषताएं वस्तुनिष्ठता, विश्वनीयता, वैद्यता व्यावहारिकता, उपयोगिता, मानक
11	प्रमाणीकृत परीक्षण निर्माण में पद
12	पद विश्लेषण, विधि, पद विश्लेषण परिणामों का उपयोग पद विश्लेषण की सीमाएँ
13	विश्वसनीयता- अर्थ, मापन और प्रकार
14	वैद्यता - अर्थ, मापन और प्रकार वैद्यता व विश्वसनीयता मे सम्बन्ध
15	वस्तुनिष्ठता, व्यावहारिकता, उपयोगिता, तुलनीयता
16	प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों मे शैक्षिक निदान की आवश्यकता
17	निदानात्मक परीक्षण
18	पद विश्लेषण - प्रयोजन विभेदीकरण एवं कठिनाई सूचकांक - गणना करने की विधियाँ
19	अच्छे परीक्षण पदों का चयन करने के मापदण्ड मानक और प्रतिमान - मानक, फलांक एवं प्रोफाइल का अर्थ
20	वास्तविक फलांक एवं मानकीय व्युत्पन्न फलांक मानकों के प्रकार - आयु, श्रेणी, शतांशीय,टी तथा जेड प्राप्तांक मानक